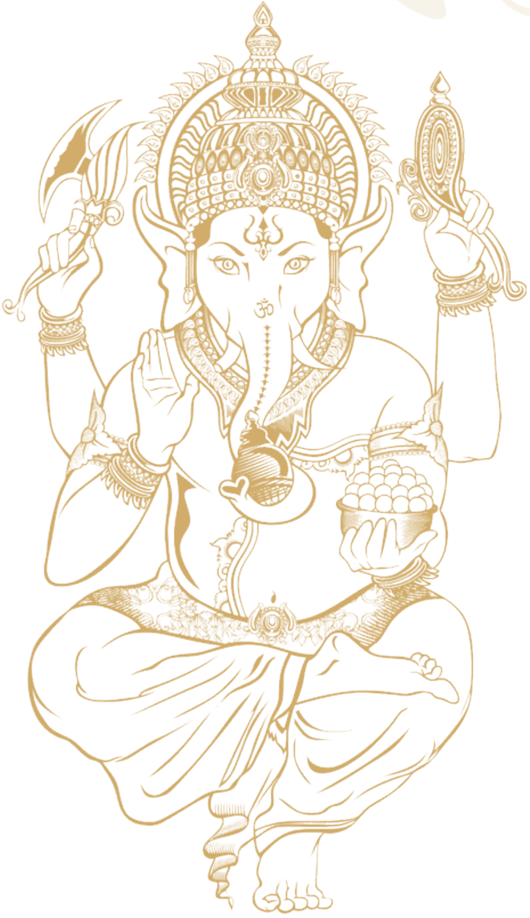

algobind Akash Oedairadjsingl

03 Jul 1995

12:16 PM

Rotterdam

Model: web-freekundliweb

Order No: 121327304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/07/1995**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:16:00 घंटे**
इष्ट	17:00:03 घटी
स्थान	**Rotterdam**
देश	Netherlands

अक्षांश	51:55:00 उत्तर
रेखांश	04:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	15:00:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:42:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	-01:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:34:00 घंटे
वेलान्तर	-00:04:07 घंटे
साम्पातिक काल	05:17:53 घंटे
सूर्योदय	05:27:58 घंटे
सूर्यास्त	22:03:56 घंटे
दिनमान	16:35:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:14:27 मिथुन
लग्न के अंश	28:49:06 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	28:49:06	253:05:45	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			मिथु	17:14:27	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			सिंह	18:06:57	12:42:50	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	25:54:47	00:33:21	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध			वृष	25:50:52	01:11:16	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	13:05:40	00:05:11	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	03:56:32	01:13:21	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	00:56:53	00:00:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		तुला	09:01:29	00:04:44	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	09:01:29	00:04:44	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	05:24:55	00:02:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	00:44:02	00:01:34	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:21:51	00:01:05	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			वृष	26:31:40	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:49

लग्न-चलित

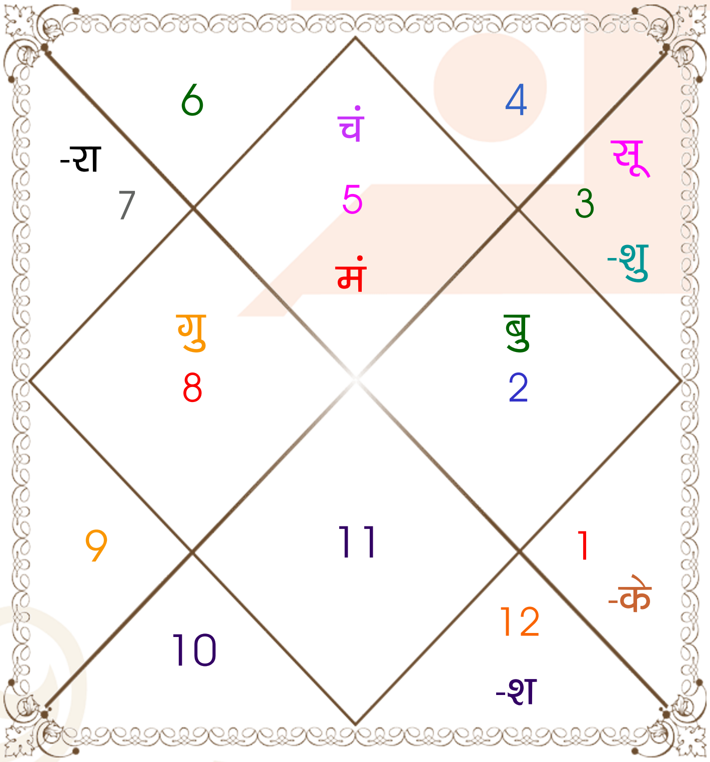

चन्द्र कुंडली

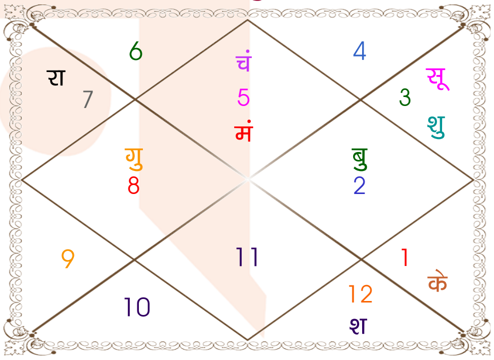

नवमांश कुंडली

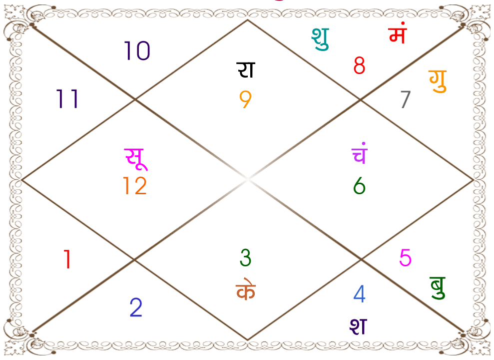

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 9 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/07/1995		30/04/2008		30/04/2014		30/04/2024		01/05/2031	
30/04/2008		30/04/2014		30/04/2024		01/05/2031		30/04/2049	
	00/00/0000	सूर्य	17/08/2008	चंद्र	01/03/2015	मंगल	26/09/2024	राहु	11/01/2034
	00/00/0000	चंद्र	16/02/2009	मंगल	30/09/2015	राहु	14/10/2025	गुरु	05/06/2036
	00/00/0000	मंगल	24/06/2009	राहु	31/03/2017	गुरु	20/09/2026	शनि	12/04/2039
	03/07/1995	राहु	19/05/2010	गुरु	31/07/2018	शनि	30/10/2027	बुध	30/10/2041
राहु	30/06/1998	गुरु	07/03/2011	शनि	29/02/2020	बुध	26/10/2028	केतु	17/11/2042
गुरु	28/02/2001	शनि	17/02/2012	बुध	30/07/2021	केतु	25/03/2029	शुक्र	17/11/2045
शनि	30/04/2004	बुध	23/12/2012	केतु	28/02/2022	शुक्र	25/05/2030	सूर्य	12/10/2046
बुध	01/03/2007	केतु	30/04/2013	शुक्र	30/10/2023	सूर्य	29/09/2030	चंद्र	12/04/2048
केतु	30/04/2008	शुक्र	30/04/2014	सूर्य	30/04/2024	चंद्र	01/05/2031	मंगल	30/04/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/04/2049		30/04/2065		30/04/2084		01/05/2101		01/05/2108	
30/04/2065		30/04/2084		01/05/2101		01/05/2108		00/00/0000	
गुरु	18/06/2051	शनि	03/05/2068	बुध	26/09/2086	केतु	27/09/2101	शुक्र	31/08/2111
शनि	30/12/2053	बुध	11/01/2071	केतु	24/09/2087	शुक्र	27/11/2102	सूर्य	31/08/2112
बुध	05/04/2056	केतु	20/02/2072	शुक्र	25/07/2090	सूर्य	04/04/2103	चंद्र	01/05/2114
केतु	12/03/2057	शुक्र	21/04/2075	सूर्य	31/05/2091	चंद्र	03/11/2103	मंगल	01/07/2115
शुक्र	11/11/2059	सूर्य	02/04/2076	चंद्र	29/10/2092	मंगल	31/03/2104	राहु	04/07/2115
सूर्य	30/08/2060	चंद्र	02/11/2077	मंगल	27/10/2093	राहु	19/04/2105		00/00/0000
चंद्र	30/12/2061	मंगल	12/12/2078	राहु	15/05/2096	गुरु	26/03/2106		00/00/0000
मंगल	05/12/2062	राहु	17/10/2081	गुरु	21/08/2098	शनि	05/05/2107		00/00/0000
राहु	30/04/2065	गुरु	30/04/2084	शनि	01/05/2101	बुध	01/05/2108		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।